मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 199, मुंबई, शनिवार, 25 सितंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में गैंगवार

कोर्ट रूम में गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या

वकील की ड्रेस में आए दो शूटर भी पुलिस शूटआउट में मारे गए

संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट परिसर में शुक्रवार को गैंगवार हुआ। बदमाशों ने दिल्ली के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर जितेंद्र गोगी (30) की गोली मारकर हत्या कर दी। इस गैंगवार में गोगी समेत कुल 3 लोग मारे गए। फायरिंग में 3 से 4 लोग घायल भी हुए। रिपोर्ट के मुताबिक गोगी पेशी के लिए कोर्ट में आया था, जहां वकील की यूनिफॉर्म में पहले से मौजूद 2 शूटरों ने उस पर फायरिंग की। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने बताया कि जब गैंगस्टर गोगी को कोर्ट में सुनवाई के लिए ले जाया गया तो दो अपराधियों ने उस पर गोलियां चलाईं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

तिहाड़ से ही दुबई के कारोबारी से मांगे थे 5 करोड़

गोगी देश की सबसे सुरक्षित जेलों में शुमार तिहाड़ जेल में पिछले 2 साल से कैद था। वह जेल से ही रंगदारी, फिरौती के लिए किडनैपिंग और सुपारी किलिंग का कारोबार चला रहा था। उसके रसूख का इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि तिहाड़ जेल से ही उसने दुबई के एक कारोबारी से 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। इस वजह से भी वह काफी सुर्खियों में रहा।

2 साल पहले पकड़ा गया था जितेंद्र

जितेंद्र को 2020 में स्पेशल सेल ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया था। गोगी के साथ कुलदीप फज्जा को भी पकड़ा गया था। कुलदीप फज्जा बाद में 25 मार्च को कस्टडी से फरार हो गया था। फज्जा जीटीबी अस्पताल से फरार हुआ था। बाद में वह पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के मुताबिक जितेंद्र गोगी ने अपराध के जरिए करोड़ों की संपत्ति बनाई है। उसके नेटवर्क में 50 से ज्यादा लोग थे।

जिगरी दोस्त बने जान के दुश्मन

छात्र संघ चुनाव से शुरू हुई थी गोगी और टिल्लू गैंग के बीच दुश्मनी

हरियाणा की लोक गायिका हर्षिता दहिया की भी हत्या जितेंद्र गोगी ने की थी

उद्धव ठाकरे ने किया ऐलान

महाराष्ट्र में 7 अक्टूबर से खुलेंगे धार्मिक स्थल

श्रद्धालुओं को बरतनी होंगी सावधानियां

संवाददाता

मुंबई। लंबे समय से चल रही मांग के बीच महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य में सभी धार्मिक स्थल सात अक्टूबर से खुलेंगे। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के खत्म के संकेत के बीच यह कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने घोषणा करते हुए लोगों से अपील की कि सुरक्षा में कोताही नहीं करें और महामारी के संभावित तीसरी लहर को देखते हुए कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें। उद्धव ठाकरे ने कहा, राज्य में सभी धार्मिक स्थल सात अक्टूबर से खुलेंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

4 अक्टूबर से राज्य में फिर से शुरू होंगे स्कूल

सीएम उद्धव ठाकरे ने दी मंजूरी, कोविड नियम फॉलो करवाने के लिए बनेंगी स्कूल कमेटियां

संवाददाता

मुंबई। कोरोना महामारी के मद्देनजर बंद हुए स्कूलों को फिर से खोलने की मंजूरी सीएम उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को दे दी है। नए आदेश के मुताबिक, राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों के 5वीं से बारहवीं और शहरी इलाकों के 8वीं से बारहवीं तक के स्कूल 4 अक्टूबर से शुरू हो जायेंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

81.18 प्रतिशत अभिवावक बच्चों को स्कूल भेजना चाहते हैं

स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री बच्चू कडू ने बताया कि, कोरोना की दूसरी लहर के चलते इस साल फिर से शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत ऑनलाइन की गई थी। हालांकि, ऑनलाइन शिक्षा से छात्रों को नुकसान हो रहा था, इसी वजह से स्कूल शुरू करने की मांग की जा रही थी। स्टेट काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 81.18 प्रतिशत माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पेगासस की जांच

लोकतंत्र में किसी भी मोर्चे पर संदेह की गुंजाइश न्यूनतम होनी चाहिए। इसी दिशा में सुप्रीम कोर्ट की ओर से आया संकेत स्वागतयोग्य है कि पेगासस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट एक विशेषज्ञ समिति गठित करेगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमना ने गुरुवार को संकेतदिया कि सुप्रीम कोर्ट भारतीय नागरिकों की निगरानी के लिए इजरायली स्पाइवेयर पेगासस के कथित इस्तेमाल की जांच के लिए समिति गठित करेगा। अगर सब कुछ सही रहा और सरकार की ओर से इस मामले में कोई बड़ा या अलग फैसला नहीं आया, तो अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट आदेश जारी कर देगा। वैसे बेहतर यही होता कि केंद्र सरकार अपने ही स्तर पर मामले को आगे नहीं बढ़ने देती। वैसे संभव है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित होने जा रही समिति की रिपोर्ट भी सुरक्षा चिंताओं की वजह से जगजाहिर नहीं हो, पर देश को संतोष रहेगा कि पेगासस मामले में कम से कम सर्वोच्च अदालत को सब पता है। प्रधान न्यायाधीश उस पीठ का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसके पास उन याचिकाओं का एक पूरा समूह है, जिनमें गैर-कानूनी जासूसी की जांच अदालत की निगरानी में कराने की मांग की गई है। अदालत ने 13 सितंबर को ही अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। जहां तक केंद्र सरकार की बात है, तो उसने यह सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया था कि उसकी एजेंसियों ने इजरायल के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है या नहीं। सरकार के ऐसे जवाब के बाद सुप्रीम कोर्ट के पास इसके सिवा कोई विकल्प नहीं रह गया था कि वह स्वयं जांच समिति गठित करे। अब सुप्रीम कोर्ट की इस पहल से जहां न्यायपालिका के प्रति विश्वास में बढ़ोतरी होगी, वहीं सरकारी एजेंसियों के साथ टकराव में भी वृद्धि हो सकती है। उम्मीद करनी चाहिए कि किसी तरह का सांविधानिक संकट न पैदा हो। ध्यान रहे, सरकार अगर जांच को रोकेगी, तो उसे लोगों को जवाब देना पड़ेगा। बड़ा सवाल यह नहीं है कि किन लोगों की जासूसी की गई, बड़ी चिंता यह है कि क्या विदेशी सॉफ्टवेयर का मनमाना इस्तेमाल हुआ। सॉफ्टवेयर इस्तेमाल का फैसला किसने लिया? कोई भी सरकार यह नहीं चाहेगी कि उस पर संदेह किया जाए, तो फिर सरकार पेगासस जासूसी मामले में दायर 16 अगस्त के अपने हलफनामे पर क्यों कायम है? अब समस्या यह है कि जिन मंत्रियों, राजनेताओं, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की जासूसी की गई, वे तो जवाब चाहेंगे। क्या इन लोगों को विश्वास में लेकर सरकार समाधान निकाल सकती है? हालांकि, इसमें दिक्कत यह भी है, एकाधिक देशों में पेगासस के इस्तेमाल की जांच चल रही है, अगर इन देशों से भारत संबंधी सूचनाओं का भी खुलासा हुआ, तो फिर भारतीय सरकारी एजेंसियों की परेशानी ज्यादा बढ़ जाएगी। अतः जो सरकारी एजेंसियां जिम्मेदार हैं, उन्हें अपनी छवि की रक्षा के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। जासूसी भले ही सभ्य विधा न हो, लेकिन व्यावहारिक रूप से प्रचलन में है, इसकी मौजूदगी से इनकार नहीं किया जा सकता। फिर भी एक लोकतंत्र में जहां लोग सरकारी एजेंसियों पर विश्वास करते हैं, वहां सरकारी एजेंसियों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपराध और अपराधियों को रोकने के सही तरीकों को ही तरजीह दें, ताकि किसी निर्दोष को धोखे या अपमान का एहसास न हो।

अमीर 'नॉर्मल' और गरीब 'रामभरोसे'!

वक्त था जब डोनाल्ड ट्रंप, बाइडेन, बोरिस जॉनसन से लेकर नरेंद्र मोदी सभी नेता जनता से वादा करते थे कि हम कोरोना वायरस को हरा कर, उसे खत्म करके दम लेंगे। मतलब महामारी खत्म होगी तभी सामान्य हालात बनेंगे। दुनिया 'नॉर्मल' होगी। अब? वायरस को मिटाने का इरादा छोड़ सब 'नॉर्मल' हो रहे हैं। सो, क्या गजब बात है जो महामारी खत्म नहीं हुई लेकिन अमीर देशों में कोरोना वायरस बैकग्राउंड में जा रहा है। ये देश इस आत्मविश्वास में हैं कि महामारी की हकीकत के बावजूद भविष्य में जिंदगी नहीं ठहरेगी। वैक्सीन और उसके बूस्टर डोज बनने व लगने से लोग ज्यादा नहीं मरेंगे। जाहिर है अमीर देश इस सोच से 'नॉर्मल' हैं कि वायरस का प्रबंधन बतौर बीमारी हो और अस्पतालों का प्रबंध पुख्ता रहे तो सब ठीक। इसका अर्थ यह नहीं कि महामारी का खौफ, चुनौती का मामला खत्म है। उसके आगे हर अमीर सरकार समानांतर कार्रवाई करते हुए है। विकसित देशों का यह रवैया और आत्मविश्वास पूरी दुनिया में यह मूड बनवा रहा है कि महामारी से कब तक डरे रहेंगे। तभी वैक्सीनेशन के अलावा जलवायु संकट, बेरोजगारी, सप्लाई चेन दुरूस्त कराने, आर्थिकी दौड़ाने की चिंता हावी हो गई है। वैश्विक मीडिया भी ग्लोबल नॉर्मलसी इंडेक्स की कसौटियों में बताने लगा है कि यातायात और यात्रा, मनोरंजन और मौजमस्ती, खुदरा व्यापार व कामकाज में लोगों की गतिविधियां सामान्य होती हुई हैं। ग्लोबल नॉर्मलसी इंडेक्स के अनुसार कोरोना वायरस आने के बाद उसके खौफ और लॉकडाउन से अप्रैल 2020 में भीड़ याकि नॉर्मलसी यदि 33 प्रतिशत रह गई थी तो वह अब 66 प्रतिशत और उससे ज्यादा है। महानगरों में ट्रैफिक जाम होने लगा है। विदेश यात्राएं शुरू हो गई हैं। सिनेमा हॉल, स्टेडियम में भीड़ दिखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेताओं की भीड़ है तो विश्व राजनीति के दांवपेंच भी अब परस्पर मेल-मुलाकात से तय हो रहे हैं। क्या यह सब अमीर देशों की अमीरी से नहीं है? 70-80 प्रतिशत आबादी के वैक्सीनेशन, आगे बूस्टर के रोडमैप और चिकित्सा व्यवस्था को

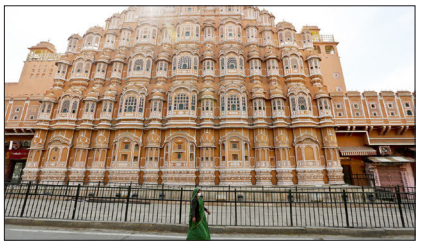

चाक-चौबंद बना लेने के बाद ब्रिटेन यदि जेब, जैब (टीका, टीका) की जगह जॉब, जॉब की प्राथमिकता में नॉर्मल हो रहा है और अमेरिका व यूरोपीय देश के नागरिक महामारी के दौरान मिली लाखों रुपए की राहत को सैर-सपाटे में खर्च कर रहे हैं तो कुल मिला कर यह सब वैसा ही है जैसे भारत के अमीर लोगों, नियमित-स्थायी तनख्वाह पाने वाले सरकारी कर्मचारियों या पेशेवरों के लिए वक्त का 'नॉर्मल' होना है। उस नाते कोरोना वायरस की महामारी अमीर बनाम गरीब का नया फर्क, नया व्यवहार बना रही है। जिन्होंने दो टीके लगा लिए हैं, जिनकी समय रहते अगले बूस्टर टीके लगाने, मेडिकल सुविधाओं का भरोसा है उनका जीवन सामान्य दिनों की तरह लौटता हुआ है पर जो गरीब है जहां बीस-तीस प्रतिशत आबादी को भी टीका नहीं लगा है और आगे का पता नहीं है वह आबादी या तो अज्ञानता में जोखिम के साथ नॉर्मल होती हुई है या चिंता और बेचैनी में महज वक्त काटते हुए है। अजब-गजब बात है जो फरवरी 2020 में वायरस की खबर के बाद लोगों का जो अलग-अलग व्यवहार बना था वह आज भी जस का तस है। मतलब कुछ देशों और आबादियों ने महामारी का वैज्ञानिकता से सामना किया तो कुछ ने झूठ, अंधविश्वास और अज्ञानता से तो तीसरी श्रेणी में वे लोग, वे देश हैं जो पहले दिन से रामभरोसे हैं। सवाल है बीस महीने बाद सितंबर 2021 में दुनिया जस की तस क्या तीन हिस्सों में नहीं बंटी हुई है? अमीर देशों में सबसे ज्यादा खौफ, सबसे ज्यादा मौतें हुईं तो सबसे पहले वे महामारी के बीच में 'नॉर्मल' होते हुए, आगे बढ़ रहे हैं। फिर विकासशील-उभरती आर्थिकी वाले देश याकि ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत, मेक्सिको जैसे देश हैं, जिन्होंने झूठ-प्रपंच-अवैज्ञानिकता के साथ महामारी को हैंडल किया, मौतें हुईं और असंख्य लोग-परिवार भयावह अनुभव व त्रासदियों से गुजरे और बीस महीने बाद भी अनिश्चितताओं में जी रहे हैं। तीसरी श्रेणी में अफगानिस्तान, पाकिस्तान से लेकर अफ्रीकी-लातीनी अमेरिका और एशिया के ऐसे असंख्य देश हैं, जो महामारी का या तो गुमनामी से सामना करते हुए थे या इस असहायता के साथ कि करें तो क्या करें! हां, संयुक्त राष्ट्र के 195 देशों में से आला पचास देशों को छोड़ें तो कम से कम सवा सौ देश ऐसे हैं, जो अपनी सीमाओं के टापू में ठहरे और सन्नाटे का जीवन जीते रहे हैं। फिर भले वह सेशेल्स हो या मोजांबिक, जिम्बाब्वे या पेरू या किर्गिस्तान व मंगोलिया! अपनी राय में इन छोटे देशों का महामारी का वक्त वैसा ही रहस्यमयी है, जैसे भारत में मुझे बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश पर यह सोचते हुए समझ आता है कि ऐसा कैसे कि विकसित प्रदेश केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु महामारी से जूझते हुए थे या हैं जबकि उत्तर भारत के राज्यों का वक्त ऐसे गुजरा मानो वायरस इन राज्यों को बाईपास कर पूर्वोत्तर गया हो। बहरहाल, मूल मुद्दे पर लौटा जाए कि पूरी दुनिया महामारी के खौफ से बाहर निकल नॉर्मल होती हुई है या नॉर्मलसी सिर्फ अमीर देशों में? यों भीड़ के चलते भारत में सामान्य हालात बनते, भारत 'नॉर्मल' होता समझ आएगा लेकिन क्या सचमुच? वह अमेरिका, ब्रिटेन की तरह नॉर्मल है या कोई फर्क है। फर्क है तो वह कितना गहरा है और कितना लंबा चलेगा? जवाब में दलील यहीं बनेगी कि बतौर राष्ट्र-राज्य भारत में महामारी कब क्या रूप ले, इसका अनुमान नहीं लगा सकते है जबकि अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप या चीन जैसे देश महामारी को रूटिन अंदाज में हैंडल करने के संसाधन, अनुभव, तैयारियां और वह आत्मविश्वास लिए हुए हैं, जिनसे सरकार की प्राथमिकता बदली है। राष्ट्रपति बाइडेन, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन याकि अमीर देश विकास, महंगाई और सप्लाई चेन, शिपिंग दिक्कतों (व्यापार, कच्चे माल-सामान की आवाजाही में उछाल से कंटेनर की भारी कमी जैसी समस्याओं से अमीर देश बुरी तरह परेशान है) में फंसे हैं।

राजनेता नौकरशाही से नाराज क्यों...?

मध्यप्रदेश में क्या नौकरीशाही निरंकुश हो चुकी है? क्या सरकार के सिंहासनों पर विराजित राजनेताओं का अपने ही नौकरशाही पर नियंत्रण नही रह गया है? या यह संघर्ष किसी निराशा से जुड़ा है? मध्यप्रदेश में मौजूदा सरकार के तीन साल गुजर चुके है, जिसमें से पन्द्रह महीनें कांग्रेस की सरकार रही, कुल मिलाकर मौजूदा सरकार के सिर्फ दो साल ही शेष रहे है, मौजूदा सरकार कांग्रेस के पन्द्रह महीनों की सरकार निष्क्रियता सहित कई तरह के आरोप लगा रही है और शेष बचे इक्कीस महीनों में किए गए अपने ही कार्यों से सरकार पर विराजित राजनेता संतुष्ट नहीं है, इसलिए वे नौकरशाही को भी राजनीतिक दलों के बीच विभाजित कर स्वयं की अकर्मण्यता का ठीकरा नौकरशाही के सिर पर फोडने की जुगत भिड़ा रहे है, ऐसा मेरा नहीं, नौकरशाही के सूत्रों का कहना है। पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी की अग्निशलाका नैत्री उमाश्री भारती ने बहुत ही औछी भाषा में मध्यप्रदेश के अधिकारी तंत्र पर

आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके लिए उन्होंने एक पूर्व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खेद भी व्यक्त किया था, इसी बीच मुख्यमंत्री जी ने भी नौकरशाही को अपनी स्तरीय भाषा में सीख देने की कौशिश की थी, इन दोनों परिदृष्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रदेश का सत्तारूढ़ दल और सरकार के मुखिया अपनी सरकार की नौकरशाही से काफी नाराज है और अब जैसे-जैसे आगामी विधानसभा चुनाव निकट आते जा रहे है, वैसे-वैसे उनकी घबराहट बढ़ती ही जा रही है और अपनी निष्क्रियता अधिकारी तंत्र के सिर पर थोपना चाहते है। अब मौजूदा हालातों में गौर करने वाली बात यह है कि मौजूदा सरकार पर काबिज नेता अपने स्वयं की क्षमता का बिना आंकलन व आत्म निरूपण किए अपनी अक्षमता छिपाकर नौकरशाही पर निशाना साध रहे है, जबकि नौकरशाही तो ऐसे नेताओं से निपटने में काफी सिद्धहस्त होती है, यद्यपि पूर्व मुख्यमंत्री उमाजी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की तल्खी भरी टिप्पणियों पर नौकरशाही ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है, किंतु इन टिप्पणियों को लेकर इस वर्ग में हलचल तो काफी है, फिर यह भी साफ है कि अब आगे भी मुख्यमंत्री या मंत्रियों को काम तो मौजूदा नौकरशाही से ही लेना है तो फिर क्या इनका काम करने और करवाने का तरीका आगे भी यही होगा? जब इस मौजूदा माहौल और घटनाक्रमों के बारे में नौकरशाही के सूत्रों से बात करने की कौशिश की गई तो सूत्रों ने भी राजनेताओं के प्रति उतनी ही नाराजी व्यक्त की जितनी कि नेताओं ने खुलेआम की।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बारिश हुई कम, झीलें हुईं फुल, पिछले साल से 33 प्रतिशत कम हुई बारिश

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में समय से पहले बारिश ने जोरदार दस्तक दी थी। इसके बावजूद इस मॉनसून में बारिश का जोर मुंबई में काफी कम रहा है। क्षेत्रीय मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बारिश 33 फीसद कम रही। कम बारिश होने के बाद भी मुंबई की प्यास बुझानेवाली झीलें पूरी तरह से भर गई हैं। इससे वर्षभर पानी की चिंता खत्म हो गई है। बता दें कि मुंबई में मॉनसून ने इस बार 9 जून को ही दस्तक दी थी। पहले दिन की जोरदार दस्तक से मुंबई शहर की रफ्तार रुक गई थी। इसके बाद पूरे महीने में बारिश में उतार-चढ़ाव देखा गया। 9 जून के बाद मुंबई में 15 जुलाई की रात से बारिश ने जोरदार दस्तक दी थी। इसके बाद 17 जुलाई की रात बारिश ने जोरदार दस्तक दी थी। जुलाई की बारिश ने 8 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा था। जुलाई में 200 से 250 मिमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई थी। इससे पहले जुलाई 2013 में 215 मिमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई थी। जुलाई की बारिश में दो बार शहर थम सा गया था। इसके बाद बारिश थम सी गई थी। जुलाई के बाद अगस्त

में बारिश का जोर राज्य में फिर दिखा, लेकिन मुंबई में कम बारिश हुई। अगस्त माह में मध्यम बारिश होती रही। क्षेत्रीय मौसम विभाग के मुताबिक सितंबर माह में अभी तक कुलाबा में 446.1 मिमी और सांताक्रुज में 561.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। वर्ष 2021 में 22 सितंबर तक कुलाबा में 2281.9 मिमी और सांताक्रुज में 2983.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। जबकि वर्ष 2020 में इसी समय तक कुलाबा में 3248.1 मिमी और सांताक्रुज में 3571.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। कम बारिश के बाद मुंबई की प्यास बुझानेवाली 7 झीलों में 14,30,337 मिलियन लीटर पानी जमा हो गया है, जो पिछले दो वर्ष की तुलना में अधिक है। पिछले वर्ष 2020 में इसी समय इन झीलों में 14, 30,152 मिलियन लीटर पानी था, जबकि वर्ष 2019 में 14,26,995 मिलियन लीटर पानी झीलों में जमा था। मौसम का आकलन करनेवाली निजी संस्था स्काई मेट के प्रमुख वैज्ञानिक महेश पलावत ने बताया कि इस बार मॉनसून में काफी उतार चढ़ाव देखा गया। कम दबाव का क्षेत्र, टर्फ रेखा और चक्रवात के कभी प्रबल होने और कमजोर पडने का असर मॉनसून करंट पर पड़ रहा था। क्षेत्रीय मौसम विभाग की अधिकारी शुभांगी भुते ने कहा कि मॉनसून करंट में हो रहे उतार-चढ़ाव से बारिश कम और ज्यादा होती रही।

पत्नी के प्रेमी पर पति ने किया जानलेवा हमला

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 22 सितंबर बुधवार को शिल डायगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत खूनी वारदात का मामला प्रकाश में आया है बताया जा रहा है असलम शेख की पत्नी का प्रेम प्रसंग मोहम्मद अली नाम की युवक के साथ चल रहा था इस बात की भनक असलम को लग गई और उसने अपने अपने दो साथी आकाश अयनुल के साथ मिलकर शिल चौराहा परिसर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में मोहम्मद अली की चार उंगलिया कट गई और चेहरे पर बुरी तरह से वार किया गया। इस मामले में पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए पुलिस ने असलम शेख और उसके दो साथियों के विरोध में भारतीय दंड संहिता 326 504 34 के तहत मामला दर्ज एक आरोपी को गिरफ्तार किया है अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है मामला यह बताया जा रहा है क्या असलम शेख की पत्नी का साथ मोहम्मद अली के अनैतिक संबंध चल रहा था और इसी संबंधों को लेकर काफी समय से इन लोगों के बीच विवाद चल रहा था और इसी विवाद के कारण असलम शेख ने और उसके दो साथियों ने मिलकर यह खूनी वारदात को अंजाम दिया।

भिवंडी में चैन स्नेचर की जनता ने जमकर कुटाई

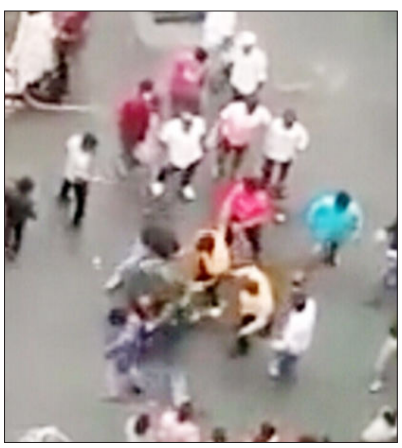

संवाददाता/समद खान

ठाणे। भिवंडी शहर में हो रही चैन स्नैचिंग का मामला तूल पकड़ता ही जा रहा है इन चैन स्नेचर करने वाले लोगों को कानून का मानो खौफ ही नहीं रहा बड़ी निडरता से यह मोटरसाइकिल पर दौड़ते हुए चेन स्नेचिंग कर लेते हैं ऐसा ही एक चेन स्नेचिंग का मामला प्रकाश में आया है विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 23 सितंबर गुरुवार को भिवंडी के कुंभट पाड़ा परिसर में गणपति मंदिर के दर्शन करने आई एक महिला का दो तोले का मंगलसूत्र गले से छीन कर चैन स्नेचर मोटरसाइकिल पर फरार होने की कोशिश कर रहे थे महिला द्वारा चिल्लाई जाने पर इन चैन स्नेचर को पकड़ लिया गया जहां पर जनता ने इस चोर की जमकर कुटाई कर दी चोर का नाम सलमान पठान बताया जा रहा है कुटाई करने के बाद जनता ने इस चोर को पुलिस के हवाले कर दिया। जहां पुलिस ने महिला का बयान लेकर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया आगे की जांच पुलिस कर रही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में गैंगवार

पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में दोनों हमलावरों को मार गिराया। उनमें से एक हमलावर पर 50,000 रुपए का इनाम था। वकील ललित कुमार ने बताया कि हमलावर वकील की ड्रेस में आए थे। उन्होंने गोगी को लगातार 3 गोलियां मारीं। गोगी की सुरक्षा में जो दिल्ली पुलिस के लोग थे उन्होंने 25-30 गोलियां चलाईं। इससे अपराधियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गोगी की मौत अस्पताल में हुई। ललित कुमार ने यह भी बताया कि घटना गोगी के मामले की सुनवाई के दौरान हुई। जज, स्टाफ और वकील भी मौजूद थे। सुनने में आया है कि हमारी एक इंटर्न के पैर में भी गोली लगी है। घटना आज लगभग एक-डेढ़ बजे की है। सुबह ठीक से चेकिंग नहीं हो पाती है। बहुत बड़ी लापरवाही है। जितेंद्र उर्फ गोगी पिछले दो साल से तिहाड़ जेल में बंद था। शुक्रवार को उसे पेशी के लिए लाया गया था। इसी दौरान रोहिणी कोर्ट परिसर में पहले से घात लगाए बैठे दो शूटर ने उस पर हमला कर दिया। कोर्ट परिसर में हुई फायरिंग के बाद इलाके को सील कर दिया गया है। इस दौरान मची भगदड़ में एक महिला वकील भी घायल हुई है। गोगी को अप्रैल में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के तहत गिरफ्तार किया था। फरवरी 2017 में उसने अलीपुर के देवेंद्र प्रधान की हत्या कर दी थी, क्योंकि प्रधान का बेटा उसके सहयोगी निरंजन की हत्या में शामिल था। अक्टूबर 2017 में गोगी ने हरियाणवी सिंगर और डांसर हर्षिता दहिया की पानीपत में हत्या कर दी थी। हर्षिता दहिया अपने जीजा दिनेश कराला के खिलाफ दर्ज हत्या के एक मामले में मुख्य गवाह थी। दिनेश कराला ने ही हर्षिता दहिया की सुपारी गोगी को दी थी। वहीं, गोगी के गैंग ने नवंबर में स्कूल के बाहर एक टीचर दीपक की और जनवरी 2021 में प्रशांत विहार में रवि भारद्वाज नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी थी। रवि को 25 गोलियां मारी गई थीं। जून 2018 में बुराड़ी में टिल्लू गैंग से हुई गैंगवार में 4 लोग मारे गए और 5 जख्मी हुए। नरेला में अक्टूबर 2019 में आम आदमी पार्टी के नेता वीरेंद्र मान उर्फ कालू को 26 गोलियां मार मौत के घाट उतार दिया गया। इस साल 19 फरवरी को रोहिणी के कंझावला में आंचल उर्फ पवन की 50 राउंड फायरिंग कर हत्या की गई। इन मामलों में भी गोगी गैंग का ही नाम सामने आया था।

उद्धव ठाकरे ने किया ऐलान

महाराष्ट्र सरकार ने तीसरी लहर की तैयारी की है, लेकिन एहतियात बरतते हुए राज्य सरकार विभिन्न गतिविधियों में छूट दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में संक्रमण के मामले कम हो रहे हैं लेकिन कोरोना वायरस का खतरा बना हुआ है। सीएम ठाकरे ने कहा, कोविड-19 के रोजाना मामलों में भले ही कमी आ रही है, लेकिन हर किसी को सावधानी बरतनी चाहिए और कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। ठाकरे ने कहा, धार्मिक स्थल खुलने जा रहे हैं, लोगों को मास्क लगाने और हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल करना चाहिए। इस तरह के उपायों को सुनिश्चित करने के लिए धर्मस्थलों का प्रबंधन जिम्मेदार होगा।

4 अक्टूबर से राज्य में फिर से शुरू होंगे स्कूल

हालांकि, सभी स्कूलों को पहले से बनी कोविड गाइडलाइन को फॉलो करना होगा। सीएम उद्धव ठाकरे ने यह फैसला कोविड टास्क फोसे की रिपोर्ट के बाद दिया है, जिसमें कहा गया था कि कोविड का खतरा अब महाराष्ट्र में कम हो रहा है। राज्य की शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने सीएम के इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए हमने स्कूल के लिए विशेष योजनायें बनाई है। कुछ दिन पहले हमने सीएम के पास स्कूल को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे उन्होंने आज मंजूर कर लिया है। स्कूल शुरू करने का प्रस्ताव भेजने से पहले हमने तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए कोविड टास्क फोर्स और शिक्षा विशेषज्ञों के साथ चर्चा की थी। उनके द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं। उन्हें हम स्कूल शुरू करने के दौरान इम्प्लीमेंट करेंगे। स्कूल, कोविड नियम को सही ढंग से फॉलो कर रहा है या नहीं इसके लिए शिक्षा विभाग ने 'स्कूल कमेटियों' का गठन किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसमें आयुक्त, शिक्षा अधिकारी और अभिभावक संघ शामिल होंगे।

MUMBAI HALCHAL दैनिक मुंबई हलचल @mumbaihalchal
www.mumbaihalchal.com
Email : mumbaihalchal@gmail.com
9769659975 / 9820961360

एक्टर अक्षय कुमार के खिलाफ चंडीगढ़ में शिकायत: विज्ञापन में द्विअर्थी शब्दों के इस्तेमाल का मामला, वकील एचसी अरोड़ा ने जताई 'फटती' शब्द पर आपत्ति, महिला आयोग करेगा फैसला

चंडीगढ़। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार के खिलाफ चंडीगढ़ से शिकायत दी गई है। पंजाब महिला आयोग और एडवरटाइजिंग काउंसिल ऑफ इंडिया को शिकायत भेजी गई है। मामला एक विज्ञापन में दोहरे अर्थ वाला शब्द बोलने का है। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के वकील एचसी अरोड़ा ने डॉलर कंपनी के बनियान के विज्ञापन में इस्तेमाल 'फटती' शब्द को अश्लील और दोहरे अर्थ वाला बताया। शिकायत में कहा गया है कि विज्ञापन में बोला गया- अगर डॉलर पहनी है तो कभी भी नहीं फटेगी। फटती शब्द का प्रयोग सृजनात्मकता के नाम पर विज्ञापन में किया गया, जबकि यह अश्लील और दोहरे अर्थ वाला शब्द है। विज्ञापन का अंतिम हिस्सा इस प्रकार के दोहरे अर्थ वाला है कि यदि एक बेटी अपने पिता से इसका अर्थ पूछे तो पिता इसका अर्थ समझाने में शर्म महसूस करेगा। अरोड़ा ने कहा कि इस प्रकार के विज्ञापन को प्रसारित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यदि इस प्रकार के विज्ञापनों को इसी तरह से प्रसारित होने दिया गया तो इसका समाज पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ेगा। शिकायत के बाद अब महिला आयोग पर निर्भर करता है कि इस विज्ञापन को लेकर उनका क्या निर्णय रहेगा।

जाम्बिया की महिला साढ़े तीन किलोग्राम हेरोइन के साथ मुंबई हवाई अड्डे पर पकड़ी गई

संवाददाता

मुंबई। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जाम्बिया की एक नागरिक के पास 18 करोड़ रुपए मूल्य की साढ़े तीन किलाग्राम हेरोइन मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुंबई सीमाशुल्क तृतीय क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर इस महिला यात्री (33) को पकड़ा गया जो इथियोपिया के अदीस अबाबा से मुंबई पहुंची थी। उन्होंने बताया, उसके बैग में 18 करोड़ रुपए मूल्य का साढे तीन किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया। उसे स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत आरोपित किया गया है। मंगलवार को दो यात्रियों के पास से 24.76 करोड़ रुपए मूल्य की 4.9 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी और दोनों यात्रियों को गिरफ्तार किया गया था। वे दोनों जोहानिसबर्ग से दोहा होते हुए यहां पहुंचे थे।

महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध हालात में मौत पर लगातार उठते जा रहे सवाल

सीबीआई की पांच सदस्यीय टीम ने हाथ में लिया केस, एफआईआर की कॉपी ली

उत्तर प्रदेश सरकार के गृह विभाग ने जांच के लिए केंद्र सरकार से की थी सिफारिश

संवाददाता / नई दिल्ली

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मौत मामले में योगी सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। उत्तर प्रदेश सरकार के गृह विभाग ने मामले की जांच के लिए केंद्र सरकार से सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। जानकारी के अनुसार सीबीआई की टीम प्रयागराज पहुंच गई है। सीबीआई की टीम में पांच सदस्य हैं। केस हैंडओवर लेने से पहले सीबीआई की एक टीम केस की जानकारी लेने और जांच-पड़ताल में जुट गई है।

सीबीआई एफआईआर की कॉपी लेने के लिए पुलिसलाइन पहुंची। पुलिस लाइन में एसआईटी टीम और प्रयागराज पुलिस के आलाधिकारी भी मौजूद थे। सीबीआई केस को अपने हाथ में लेकर जांच शुरू करेगी। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाना चाहती है और निष्पक्ष जांच को देखते हुए सीबीआई जांच की सिफारिश की है। गौरतलब है कि नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में लगातार सवाल उठ रहे हैं और कई राजनेताओं से लेकर संत-समाज से जुड़े लोग भी इसे आत्महत्या का मामला मानने से इनकार कर रहे हैं। पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग उठ रही थी।

खास बातें

- महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध मौत की सीबीआई कर रही जांच
- पुलिस के अधिकारियों से एजेंसी ने ली केस की कॉपी

अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार

अभी तक इस मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल नरेंद्र गिरि के सुसाइड नोट में आनंद गिरि, आद्या तिवारी और उसके बेटे संदीप तिवारी को मौत का जिम्मेदार बताया गया था। उसमें लिखा था कि ये तीनों ब्लैकमेल कर रहे हैं और मानसिक तौर पर प्रताड़ित कर रहे हैं। नरेंद्र ने तीनों को अपनी मौत का जिम्मेदार सुसाइड लेटर में बताया था, जिसके आधार पर यूपी पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले सीजेएम कोर्ट में पेश की गई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में नरेंद्र गिरि के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। उनकी मौत दम घुटने के कारण बताई गई है। रिपोर्ट में हैंगिंग की बात भी आई है। उनके गले पर वी शेप का निशान पाया गया है, जो फंदा लगाने के कारण ही आता है। ऐसे में पुलिस कुछ हद तक स्पष्ट है कि नरेंद्र ने आत्महत्या की है।

आनंद के भाई का खुलासा

'जिसने संन्यास के लिए घर छोड़ा, वो ऐसा कैसे...

आनंद की गिरफ्तारी के बाद अब उनके परिवार के लोगों के बयान भी सामने आए हैं। 'जिसने संन्यास के लिए घर छोड़ा, वो ऐसा कैसे...'। आत्महत्या के मामले में मुख्य आरोपी आनंद मूल रूप से राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के 'ब्राह्मणों की सरेरी' गांव का रहने वाला है। परिजनों के लिए इस बात पर भरोसा करना मुश्किल है कि जिस आनंद गिरि ने महज 13 साल की उम्र में घर-परिवार और सारे सुख छोड़कर संन्यास का रास्ता अपना लिया, वो किसी की हत्या जैसे काम में शामिल हो सकता है।

दोपहर 3 से साढ़े तीन बजे के बीच हुई मौतः रिपोर्ट

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार नरेंद्र गिरि की मौत दोपहर में 3 से साढ़े तीन बजे के बीच हुई है। इससे स्पष्ट है कि खाना खाने के बाद आराम करने गए नरेंद्र ने पहले वीडियो बनाया और उसके बाद सुसाइड नोट लिख कर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक जब वे बाहर नहीं आए तो उनके शिष्यों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो गिरि पंखे में रस्सी डालकर फंदे से लटके हुए थे। पुलिस को सूचित कदी गई,लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

नरेंद्र के पढ़े-लिखे होने का सबूत आया सामने

इस बीच एक बड़ा सच सामने आया है। दरअसल, सुसाइड नोट सामने आने के बाद ऐसा दावा किया जा रहा था कि नरेंद्र पढ़े लिखे नहीं थे, उन्हें लिखना ही नहीं आता था। इस दावे को झूठ साबित करता एक सर्टिफिकेट अब सामने आया है। यह सर्टिफिकेट महंत नरेंद्र के हाईस्कूल का है। इस सर्टिफिकेट के मुताबिक महंत नरेंद्र ने हाईस्कूल की परीक्षा सेकंड डिविजन से पास की थी।

फर्श पर शव, चलता हुआ पंखा... वीडियो आया सामने

नरेंद्र के सुसाइड करने के बाद का पहला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में नरेंद्र को फांसी के फंदे से नीचे उतार कर फर्श पर लेटाया गया है। आईजी रेंज प्रयागराज केपी सिंह मौजूद लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लड़कों ने बताया कि महंत को फंदे पर लटका देखकर वे घबरा गए और उन्होंने आनन-फानन में रस्सी का फंदा काटकर नीचे उतारा कि हो सकता है कि उनकी सांसें चल रही हों, लेकिन वह नहीं बचे। इस वीडियो से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मठ के कर्मचारी सर्वेश द्विवेदी ने बताया है कि उन्होंने ही महंत का फांसी का फंदा काटा था। सर्वेश से ही तीन चार दिन पहले महंत नरेंद्र ने नायलान की रस्सी कपड़े सुखाने के लिए मंगाई थी। कमरे में पंखा चलने को लेकर उन्होंने कहा कि भीड़ में किसी का हाथ स्विच पर लगा हो और पंखा चल गया होगा। जानबूझकर किसी ने पंखा नहीं चलाया होगा। नरेंद्र का जब फोन बंद आ रहा था तो उन्होंने दरवाजे की कुंडी तोड़ दी। उन्होंने देखा वे पंखे से लटके हुए थे। उन्होंने आनन-फानन चाकू मंगाया और रस्सी को काटकर उनके शव को नीचे उतारा।

कैप्टन के ऐलान से कांग्रेस में खलबली

चुनाव में सिद्धू के खिलाफ उतारेंगे दमदार प्रत्याशी

संवाददाता / नई दिल्ली

चरणजीत सिंह चन्नी को भले ही कांग्रेस ने पंजाब का सीएम बना दिया है, लेकिन पार्टी को अभयदान नहीं मिला है। यही वजह है कि कांग्रेस फिलहाल कैप्टन अमरिंदर सिंह को लेकर बेहद सतर्क है और उनकी हर कार्यप्रणाली पर नजर बनाए हुए हैं। अब उनके दिल्ली स्थित ओएसडी नरेंद्र भांबरी के एक ट्वीट को लेकर कांग्रेस में चर्चा हो रही है। भांबरी ने ट्विटर पर एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि 'कैप्टन 2022'। इस ट्वीट से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि कैप्टन अमरिंदर सिंह 2022 के विधानसभा चुनाव में उतर सकते हैं। इससे कांग्रेस में हड़कंप मचा हुआ है।

दो अक्टूबर को बड़ा बयान दे सकते हैं कैप्टन अमरिंदर

भांबरी के ट्वीट के कुछ देर के बाद ही कैप्टन सिंह की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वे 2022 के विधानसभा चुनाव में नवजोत सिद्धू के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतारेंगे। कैप्टन ने कहा कि मैं सिद्धू को सीएम नहीं बनने दूंगा और इसके लिए हरसंभव प्रयास करूंगा। कैप्टन 2 अक्टूबर को बड़ा ऐलान कर सकते हैं। कैबिनेट के गठन के बाद कैप्टन नाराज नेताओं को साथ लेकर कोई ऐलान कर सकते हैं। फिलहाल उनके ओएसडी की ओर से पोस्टर शेयर किए जाने के बाद से इस बात की चर्चा जोरों पर है कि क्या कैप्टन 2022 का चुनाव लड़ेंगे? कैप्टन का कुछ प्लान जरूर है।

किसानों और भाजपा के बीच सेतु बनने की भी चर्चा

पंजाब में चर्चा है कि कैप्टन सिंह के कुछ किसान यूनियनों से बहुत अच्छे रिश्ते हैं। इसके चलते वे केंद्र सरकार और किसानों के बीच बातचीत के लिए एक सेतु के तौर पर काम कर सकते हैं। कांग्रेस सूत्र ने कहा कि उन्होंने सीएम पद से हटने के बाद से जितने भी इंटरव्यू दिए हैं, उसमें पार्टी को लेकर तो बात की है, लेकिन भाजपा पर चुप्पी साधे रखी है। ऐसे में कांग्रेस उन्हें लेकर सतर्क है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कैप्टन अमरिंदर इसलिए फिलहाल इंतजार कर रहे हैं क्योंकि मंत्रि परिषद का गठन नहीं हुआ है।

पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में चन्नी ने किया भंगड़ा

पंजाब के नए सीएम चरणजीत चन्नी भंगड़े के चाहवान हैं। इसकी झलक गुरुवार को कपूरथला की इंद्र कुमार गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी में दिखी। यहां पहली बार पहुंचे सीएम चन्नी ने भंगड़ा टीम के साथ जमकर भंगड़ा डाला। सिक्योरिटी को दरकिनार करके सीएम भंगड़ा टीम का आग्रह मानते हुए मंच पर जा पहुंचे और उनके साथ करीब 20 सेकेंड तक भंगड़ा डालकर टीम को प्रोत्साहित किया।

टीवी एक्टर गौरव दीक्षित को 50 हजार के मुचलके पर मिली जमानत

घर से ड्रग्स बरामद होने के बाद एक महीने पहले हुए थे गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड ड्रग्स केस में गिरफ्तार टीवी एक्टर गौरव दीक्षित को 50 हजार के मुचलके पर स्थानीय कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी है। अपने आदेश में अदालत ने कहा है कि वे अनुमति के बिना शहर से बाहर नहीं जा सकते हैं। गौरव से कोर्ट ने मामले में चार्जशीट दाखिल होने तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को एनसीबी कार्यालय में रिपोर्ट करना होगा। इससे पहले एनसीबी ने गौरव की निशानदेही पर मुंबई के मुलुंड, खारघर, वसई, विरार,बांद्रा और अंधेरी इलाके छापेमारी की थी। बता दें कि, मुंबई में ड्रग्स के खिलाफ एनसीबी की कार्रवाई जारी है। ड्रग्स केस में अब तक केंद्रीय एजेंसी कई जानेमाने नामों को गिरफ्तार कर चुकी है और कई बॉलीवुड स्टार्स से पूछताछ कर चुकी है। इसी कड़ी में एनसीबी ने टीवी अभिनेता गौरव दीक्षित को ड्रग्स केस के संबंध में अगस्त में गिरफ्तार किया था। सूत्रों के अनुसार, एनसीबी द्वारा गिरफ्तार किए गए एक्टर एजाज खान और कुछ अन्य लोगों से पूछताछ के दौरान गौरव का नाम सामने आया था। एनसीबी पिछले कुछ महीनों से गौरव दीक्षित को ट्रैक कर रही थी। जिसके बाद मुंबई के अंधेरी इलाके में दीक्षित के घर की तलाशी ली गई और ड्रग्स जब्त किया गया था। इसके बाद गौरव को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया है कि, गौरव के घर हुई छापेमारी के दौरान एनसीबी अधिकारियों ने एमडी और चरस बरामद किया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजस्थान हलचल

इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर को इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटी आंफ ह्यूमैनिटी हेल्थ साइंस एंड पीस से किया सम्मानित

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

सिरका। पूरे देश के सबसे बड़ी पत्रकारिता जगत की संस्था इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन (ईरा) के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर को गुरुवार इंटरनेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटी हेल्थ साइंस एंड पीस तथा यूनाइटेड नेशन ग्लोबल सर्विस अमेरिका द्वारा इंटरनेशनल पीस डे का किताब प्रशस्ति पत्र के रूप में देकर सम्मानित किया गया। जैसे ही या खबर इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन(ईरा) के पूरे देश के परिवार सदस्यों के बीच पहुंची। सभी में खुशी और हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया। बारी- बारी इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन ईरा के प्रदेश, जिला पदाधिकारियों ने मोबाइल फोन, व्हाट्सएप पर ईरा राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर को सम्मान मिलने की खुशी में बधाई व शुभकामनाएं दी। इसे ले पत्रकारिता जगत के ज्ञानी वक्ताओ ने बताया कि मोहम्मद जहांगीर पत्रकारिता मैं अपनी पहचान बनाते हुए लगातार इस क्षेत्र में ईरा संगठन के माध्यम से पूरे देश के पत्रकारों को एक सूत्र में बांधकर आगे बढ़ाने का काम लगातार करते आ रहे हैं। इनके हर सुख- दुख की जानकारी मिलने के बाद हमेशा खड़े रहते हैं। इसके अलावे पत्रकार अधिकार और इसकी गरिमा को बचाने के लिए पत्रकारों पर हो रहे शोषण, अत्याचार के खिलाफ लगातार आवाज उठाने का काम करते आ रहे हैं। इससे भी अपने जीवन में किए गए, पत्रकार जगत में कार्यों की छाप छोड़ने का कार्य

कर रहे हैं। साथ ही एक और प्रतिभा जूडो कराटे में भी अपनी प्रतिभा का दमखम देश- विदेश में प्रतियोगिता में भाग लेकर दिखा चुके हैं। जूडोक्वान ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव पद पर भी अपना योगदान देकर इसे सुशोभित कर रहे हैं। वर्ल्ड एमेच्योर शोतो कान कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य तकनीकी निर्देशक मैं भी अपना योगदान दे रहे हैं। जो सर्वश्रेष्ठ देने वाला अवसर प्राप्त हो रहा हैं। पत्रकारिता और इसके साथ- साथ खेल जगत में अपनी कला को प्रदर्शित करते हुए, इसके विस्तार के लिए युवाओं और कलाओं के प्रेमियों को संगठित करने का काम राष्ट्र में करते आ रहे हैं। इस कार्य के लिए भी कई प्रतिष्ठित राज्य, देश के प्रति स्थानों से भी सम्मान मोहम्मद जहांगीर को प्राप्त हो चुंका हैं। इस संदर्भ में सम्मान पाने के बाद खुशी जाहिर करते हुए, ईरा राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर होनहार नौजवानों और राष्ट्र के प्रति अपनी आस्था रखने वाले महानुभावो को लगातार प्रेरणा का स्रोत मानते हुए समाज के लिए कुछ कर गुजरने का संदेश दिया हैं। उन्होंने कहां है कि मैंने अपने जीवन काल में अपने कलम से लगातार समाज में चल रहे गतिविधियों को आईने की भांति सबों के सामने दिखाने का कार्य किया हैं। जिसके लिए विकट परिस्थितियों से भी मुझे जूझना पड़ा हैं। लेकिन मैंने इन सभी की बगैर परवाह किए समाज निर्माण में अपना योगदान दिया। इसके अतिरिक्त अपनी रक्षा और लोगों को रक्षा के प्रति प्रेरित करने के लिए जूडो कराटे को बचपन काल से सीखने के बाद लगातार इस पर कार्य करते हुए अपने भविष्य मैं आने वाले बच्चों, बच्चियों, युवाओं को सिखाने का कार्य किया हैं। जिसे जीवन पर्यंत हमेशा करता रहूंगा। जो भी सम्मान मुझे राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त हो रहे हैं। यह गुरुजनों एंव आमजनों का आशीष हैं। जो मुझे सम्मान स्वरूप विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त हो रहा हैं। मैं ऐसे संस्थाओं का आभार प्रकट करता हूं, जो हम जैसे पत्रकारों, खेल प्रेमियों को लगातार प्रोत्साहित कर और बल देने का काम कर रहे हैं। इससे हमेशा एक नया सवेरा नई सोच का निर्माण करते हुए समाज को नई गति देने का काम करता रहूंगा। उन्होंने इसके लिए सभी को हर्ष व्यक्त करते हुए धन्यवाद और शुभेच्छा दी हैं।

ब्रेकिंग न्यूज, जिसे गायब किया गया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

मुंबई। पिछले साल सुशांत सिंह के मामले में रिया चक्रवर्ती ओर उसके भाई का जब ड्रग्स एंगल सामने आया था तो आपको याद होगा कि कुछ गांजे की पुड़िया पकड़े जाने पर मीडिया में कितना बड़ा हंगामा खड़ा हो गया था! एक एंकर तो लाइव स्क्रीन पर इतने पागल हो गए थे कि 'मुझे ड्रग्स दो' 'मुझे ड्रग्स दो' चिल्लाने लगे, हफ्ते भर तक सुबह शाम बॉलीवुड का ड्रग्स कनेक्शन ही चला था।लेकिन वही आप देखिए कि गुजरात मे तीन हजार किलो हेरोइन की खेप पकड़ाई है जिसकी कीमत 9 हजार

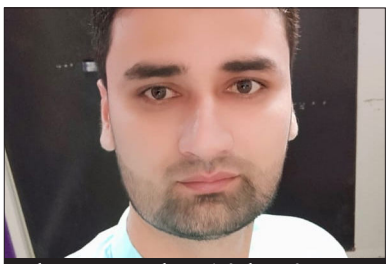

सैय्यद अलताफ हुसैन, रिपोर्टर दै. मुंबई हलचल, जिला अध्यक्ष इंडियन रिपोटर्स एसोसिएशन बीकानेर

करोड़ बताई जा रही है यह देश की एक जगह से पकड़ी गयी सिंगल लार्जेस्ट खेप है। दुनिया की टॉप टेन ड्रग्स की जब्ती में यह शामिल होने जा रही है,भारत मे कभी भी आजतक इतनी बड़ी क्वांटिटी में एक जगह से ड्रग्स नही जब्त की गयी है लेकिन इतनी बड़ी ब्रेकिंग न्यूज पर टीवी के न्यूज चैनल खामोश है बल्कि खबर दबाई जा रही हैं क्योंकि यह यह सारा माल अडानी जी के निजी पोर्ट मुंद्रा से पकड़ाया है, अब बार बार मुंद्रा पोर्ट बोलेंगे तो बताना तो पड़ेगा न कि यह पोर्ट अडानी का है। इसलिए सब मुंह मे दही जमा कर बैठे हैं।

बुलडाणा हलचल

नाबालिग लड़की के साथ लड़के ने किया यौन शोषण, लड़की हुवी प्रेग्नेंट

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिला के तहसील खामगांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जीवन यापन के लिए भीख मांग ने वाली 15 साल की लडकी के साथ 16 साल के लड़के ने किया दुष्कर्म। बार-बार शारीरिक संपर्क स्थापित किए। जिस से भिखारी लड़की छह माह की गर्भवती होने का खुलासा सामने आया।

इस मामले में उनकी मदद करने वाले तीनों के खिलाफ सिटी पुलिस ने अपराध दर्ज किया। भीख मांगने वाली लड़की के साथ इलाके में एक नाबालिग लड़के की पहोन बनी। लड़के ने उसके साथ यौन संबंध स्थापित किए। पीड़िता गर्भवती हो गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि बच्ची के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद से ही बच्चे की मां पीड़िता को बार-बार धमका रही है.पीड़िता की बहन की शिकायत के बाद शहर की पुलिस ने नाबालिग समेत तीन लोगों के खिलाफ धारा 376, 376 (2) (जे), 376 (डीए) 354, 354 (ए) 323, 506, 34 और साथ ही सह-धारा ४, ८, १२, १७, २१। पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

हातभट्टी शराब कारोबार पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 15 दिन में 10 लाख 12 हजार 380 रुपये जब्त

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। हाटभट्टी शराब के उत्पादन, परिवहन और बिक्री पर नकेल कसने के लिए आबकारी विभाग ने हाटभट्टी शराब के खात्मे के लिए विशेष अभियान चलाया है। यह अभियान 8 अक्टूबर तक चलेगा, जो शराब कारोबार पर आबकारी विभाग की कार्रवाई को दशार्ता है। विभाग ने पिछले 15 दिनों में जिले में अवैध शराब कारोबार के 84 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से 73 मामलों

में कुल 75 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जिले में हाथ से बनी शराब के प्रसार के कारण युवा से लेकर बूढ़े तक नशे की लत हो गई है। नतीजतन, राज्य के आबकारी विभाग ने 11 अनसुलझे अपराध दर्ज किए हैं। कार्रवाई के दौरान 974 लीटर डिस्टिलरी शराब, 17,429 लीटर रसायन, 306.59 लीटर देशी शराब और 6.84 लीटर विदेशी शराब और 25 लीटर पाम ऑयल जब्त किया गया। अभियान के दौरान अवैध शराब ले जाने या बेचने वाले कुल नौ वाहनों को जब्त किया गया। जिसमें से 8 दुपहिया और तिपहिया वाहन हैं। जब्त किए गए वाहनों की कुल कीमत 4 लाख 51 रुपये है। वाहन के अलावा अन्य जब्त सामान की कीमत 5 लाख 61 हजार 380 रुपये है। कुल जब्त माल 10 लाख 12 हजार 380 रुपये है। यह कार्रवाई अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी।

पंचायत चुनाव में गड़बड़ी करने वाले को चिंहित कर गिरफ्तार करें : आईजी

समस्तीपुर (जकी अहमद)। समाहरणालय परिसर के सभागार में शुक्रवार को आईजी अजिताभ कुमार, कमिश्नर मनीष कुमार, जिलाधिकारी शशांक शुभांकर एवं पुलिस अधीक्षक मानवजीत सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में चुनाव की तैयारी को लेकर प्रेस वार्ता की गई। प्रेस को संबोधित करते हुए आईजी अजिताभ कुमार ने कहा कि पंचायत चुनाव की शुरूआत बिहार में हो चुकी है। दूसरे चरण में मिथिला क्षेत्र के तीनों जिलों में समस्तीपुर दरभंगा एवं मधुबनी में पंचायत चुनाव शुरू हो गया है जिसको लेकर उन्होंने कमिश्नर मनीष कुमार, जिला अधिकारी शशांक शुभंकर, पुलिस अधीक्षक मानवजीत सिंह ढिल्लों के साथ समस्तीपुर के पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक हुई है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में शामिल होने वाले सभी महत्वपूर्ण अधिकारी आज की इस बैठक में

शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव की तैयारियां बिल्कुल समय पर चल रही है। सभी अधिकारी अपने कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव को देखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर सशक्त बल की तैनाती की जाएगी एवं कई स्तर पर पेट्रोलिंग की भी व्यवस्था की गई है। हर पंचायत के सेक्टर एवं जोन स्तर पर भी पेट्रोलिंग की व्यवस्था रहेगी। मतदान केंद्रों पर वोटिंग से संबंधित किसी भी समस्या से समाधान के लिए क्लस्टर सेंटर बनाये गए हैं। जहां पर पंचायत चुनाव से जुड़े हुए सभी सामग्री को एकत्रित कर रखा जाएगा। ताकि अगर किसी भी मतदान केंद्र पर कोई समस्या हो तो वहां से सामान ले जाने में परेशानी ना हो। पंचायत चुनाव में होने वाले मतदान के दौरान होने वाली सभी गतिविधि, पेट्रोलिंग एवं सभी परिस्थितियों पर कंट्रोल रूम और प्रखंड स्तर कंट्रोल रूम की निगरानी रहेगी। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पास दूसरे अधिकारियों का नंबर उपलब्ध होगा। ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना मिले तो त्वरित कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि जितने भी शरारती तत्व हैं उनको चुनाव से पहले या फिर चुनाव के दिन उन पर कड़ी निगरानी में रखा जाए। ताकि वे किसी भी प्रकार की और सामाजिक गतिविधि को अंजाम न दे पाए। वैसे लोग जिन्होंने पूर्व में किसी भी शांति व्यवस्था को भंग करने में अथवा चुनाव के किसी प्रक्रिया को में बाधा डालने की कोशिश की है। उन्हें चिन्हित कर जल्द से जल्द उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया जारी करें। वही कमिश्नर मनीष कुमार ने बताया कि पंचायत चुनाव को पूरी तरह से निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण कराने के लिए प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सभी अपराधिक गतिविधियों शांति भंग करने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर कार्रवाई की जा रही है एवं में जिला अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया है कि वह हर दिन चुनाव में होने वाले तैयारियों को लेकर मीडिया को जानकारी दें। उन्होंने जिले के तमाम मीडिया कर्मियों को धन्यवाद देता हूँ कि वे पुलिस व जिला प्रशासन के कार्य में सहयोग कर रहे हैं।मौके पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी ऋषव राज, जिला विकास आयुक्त संजय कुमार, अपर समाहर्ता विनय कुमार राय, जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार समेत सभी विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

औरतों के लिए बेस्ट हैं ये 10 योगासन, हर किसी का है अलग फायदा

बिजी शेड्यूल के कारण अक्सर महिलाएं अपनी फिटनेस पर ध्यान देना भूल जाती है जिस वजह से उन्हें अक्सर मोटापे, कमर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, पेट संबंधी शिकायत रहती हैं। अगर आपको भी हैल्थ से जुड़ी इन छोटी-मोटी प्रॉब्लम रहती हैं तो आप योग का सहारा लें। आज हम आपको कुछ ऐसे ही 10 योगासन बताएंगे जिनको आप घर पर आसानी से कर सकती हैं और खुद को फिट रख सकती हैं।

नौकासन योग- मोटापा घटाएं

पहले आकाश की ओर मुंह कर के पीठ के बल सीधे लेट जाएं। हाथों को सीधा कमर से सटा कर रखें, और अपनी हथेलियों को जमीन की और रखें। अब धीरे धीरे अपनी गर्दन ऊपर उठाएं और उसी समान अपने पैर भी उठाएं और एक नौका का रूप लें। इसी मुद्रा में करीब 25 से 30 सेकंड बने रहें। इस आसन को करने से वजन कंट्रोल में रहता हैं और चर्बी तेजी से बर्न होती है।

कपालभाति प्राणायाम- मोटापा व अस्थमा में राहत

इस आसन को करने से मोटापा दूर होता है और सांस और पेट संबंधी बीमारियां भी ठीक रहती हैं। इसके अवाला यह बालों के लिए भी काफी फायदेमंद साबित होता है। इससे स्किन डिजीज भी दूर रहती हैं। अगर डार्क सर्कल्स की समस्या है तो भी इस आसन को अभ्यास आपके लिए अच्छा होगा। ध्यान रहें कि इस आसन को केवल सुबह के समय ही करें।

अनमोल विलोम प्राणायाम- बीपी कंट्रोल

इसको रोजाना लगातार करने से बीपी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा इससे अस्थमा, सर्दी-जुकाम, साइनस या डायबिटीज जैसी प्रॉब्लम्स भी दूर रहती हैं। इसको करने के लिए सामान्य मुद्रा में बैठ कर अपने पैर क्रॉस कर के मौड़ लें अब अपने दाए हाथ को दाए घुटने पर आराम से टीकाकर बाए हाथ के अंगूठे से नाक का बाया छिद्र बंद करें, और दाए छिद्र से गहरी सांस अंदर लें। फिर बाया छिद्र मुक्त करें और दाया छिद्र बंद करें।

बालासन- जांघों की चर्बी कम

घुटनों को पीछे की ओर मौड़ कर घुटनों के बल बैठ जाएं। ऐडियों पर शरीर का वजन बनाते हुए, सांस अंदर लेते हुए आगे की और झुकें। हथेलियां जमीन की ओर लगाएं। ध्यान रहें कि छाती जांघों और घुटनों के अगले भाग को छुनी चाहिए। साथ ही आपका सिर जमीन को छूना चाहिए। इस आसान को करने से जांघों की चर्बी कम होगी औ कंधों का दर्द दूर।

उत्कटासन- स्लिप डिस्क से राहत

उत्कटासन करने से कमर व पीठ का दर्द ठीक रहता है। खासकर इस आसन को करने का सबसे बड़ा फायदा है कि यह साइटिका और स्लिप डिस्क होने से बचाए रखता है, लेकिन ध्यान रखें कि जिन महिलाओं को पहले से ही यह प्रॉब्लम्स हो, उन्हें ये योगासान करने से बचना चाहिए क्योंकि यह उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप प्रैग्नेंस है तो एक्सपर्ट और डाक्टर की सलाह और निगरानी में इस योगासन को करें।

धनुआसन- पेट के रोग दूर

इस आसन को करने के लिए एकदम से पीछे की तरफ न झुकें। आसन करने के लिए पेट के बल लेटें।घुटनों को मोड़ते हुए पैरों को हाथों से खींचकर कमर के पास लाएं। सांस लेते हुए सिर और छाली को जमीन से ऊपर उठाएं। कुछ देर इसी स्थिति में रहे। इस आसन को करने से पेट के रोग दूर होंगे और पीठ का दर्द ठीक।

हस्तपादासन- रीढ़ की हड्डी के लिए बेस्ट

लगातार काम करने या खुद को झुकाकर रखने से रीढ़ की हड्डी में दर्द होने लगता है। ऐसे में महिलाओं को हस्तपादासन करना चाहिए। सीधे खड़े होकर हाथों को सिर के ऊपर उठाएं। कमर को सीधा रखते हुए धीरे-धीरे नीचे झुके। हथेलियों से पैरों के पंजों और माथे से घुटने को छूने की कोशिश करें। इस आसन को करने से न केलव रीढ़ की हड्डियों से जुड़ी प्रॉब्लम्स दूर होगी बल्कि मिर्गी या अन्य न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर होने का खतरा भी दूर होगा।

सर्वांगासन- ग्लोइंग स्किन

इस आसन का अभ्यास कंधे के बल खड़े होकर किया जाता है। सर्वांगासन को ग्लोइंग या चमकदार त्वचा के लिए सबसे असरदार आसन माना जाता है। इस आसन के अभ्यास से न सिर्फ स्किन की सेहत सुधरती है बल्कि चेहरे का ब्लड सकुर्लेशन भी बढ़ता है। सर्वांगासन का अभ्यास दिन में 3-5 बार करें।

भारद्वाजासन- जहरीले टॉक्सिन्स निकालें

शरीर से जहरीले टॉक्सिन्स का निकलना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे बॉडी डिटॉक्स रहती है और हानिकारक तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। जब ये बाहर निकलते हैं तो शरीर हैल्दी रहता है और स्किन ग्लो करती हैं। जहरीले टॉक्सिन्स का बेहतर तरीका है भारद्वाजासन, जिसका नियमित अभ्यास आपको काफी फायदा पहुंचा सकता हैं।

अधोमुख श्वान आसन-एनर्जेटिक रखें

इस आसन को करने के लिए हाथों और पैरों के बल खड़ें हो जाएं और आपके पीठ का ऊपरी हिस्सा ऊपर की तरफ करें। सांस को छोड़ते हुए कमर को ऊठाएं और अपने शरीर को वी-शेप में लें आएं। इस आसन को करने से शरीर में लचीलापन आता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। महिलाएं पूर दिन खुद को एनर्जेटिक रखने के लिए इस आसन को कर सकती हैं क्योंकि इससे शरीर को लंबे समय तक काम करने की ताकत मिलती हैं।

बैंगन खाने के फायदे शायद आप भी नहीं जानते

बैंगन बहुत ही पौष्टिक सब्जी है लेकिन कुछ लोग इसे बिना गुण वाली सब्जी मानते हैं। अगर आप ऐसा ही सोचते है तो ये आपकी गलतफहमी है। बैंगन के सेवन से न केवल सेहत अच्छी रहती है बल्कि सौंदर्य में भी निखार आता है। चलिए आज हम आपको बैंगन के कुछ ब्यूटी एंड हैल्थ से जुड़े फायदे बताते है जिनके बारे में जानकर आप भी बैंगन खाना शुरू कर देंगे।

वजन कंट्रोल - अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहती हैं तो बैंगन को अपनी डाइट में शामिल करें। इसमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। बैंगन के सेवन भूख कम लगती हैं, खास बात है कि 100 ग्राम कच्चे बैंगन में केवल 24 कैलोरी होती हैं। इसलिए इससे वजन कंट्रोल में रहता है।

आयरन की अधिकता को करें कम - खून की कमी को पूरा करने के लिए आयरन भरपूर डाइट लेने की सलाह दी जाती है लेकिन आपको बता दें कि शरीर में ज्यादा आयरन होना भी ठीक नहीं है। आयरन की मात्रा बढ़ने से हार्ट अटैक, कैंसर का कारण बनता है। माना जाता है कि बैंगन खाने से शरीर में आयरन की अतिरिक्त मात्रा को कम किया जा सकता है, जी हां, इसके सेवन से सिस्टम में से एक्स्ट्रा ब्लड निकल जाता है।

डिप्रैशन से राहत - स्टडी के मुताबिक, सेरोटोनिन नामक कंपाउंट में कमी आने से डिप्रैशन और टेंशन अधिकत होती हैं। सेरोटोनिन कंपाउंट मूड को बेहतर बनाता है। इसके अलावा बैंगन में स्कोपोलेटिन नामक तत्व होता है जो सेरोटोनिन कंट्रोल में रखता है और डिप्रैशन को कम करता है।

बेहतर डाइजेशन - बैंगन में पानी और फाइबर का मात्रा अधिक होती हैं जो खाने को डाइजेस्ट करने में मदद करते है और पेट से जुड़ी प्रॉब्लम्स जैसे कब्ज, गैस, पेट दर्द अन्य आदि से राहत दिलाते हैं। बैंगन के सेवन से खाना अच्छे से पचता है और डाइजेशन ठीक रहता है।

दिमाग के लिए फायदेमंद - एंटीऑक्सीडेंट नेसुनिन के कारण बैंगन का रंग पर्पल होता है, जो ब्रेन में लिपिड(वसा) को डैमेज होने से बचाए रखता है। ब्रेन के सेल्स में पाए जाने वाले लिपिड (वसा) पोषक तत्वों को अवशोषित करते हैं और दिमाग की कोशिकाओं को सही तरीके से काम करने के संकेत देते है।

कंट्रोल टाइप-2 डायबिटीज - बैंगन में न्यूट्रिशियंस अधित होते हैं। हाई फाइबर और कम काबोर्हाइड्रेट के तत्व होने के कारण यह डायबिटीज के पेशेंट लिए फायदेमंद माना जाता है। एक स्टडी में साबित हुआ है कि बैंगन को नियमित खाने से टाइप-2 डायबिटीज को कंट्रोल किया जा सकता है। कारण है कि इसमें अल्फा-ग्लूकोसिडेज और एंजियोटेंसिन अधिक होते हैं जो ग्लूकोज लेवल को कंट्रोल में रखते हैं।

हार्ट फंक्शन को बेहतर - हैल्दी हार्ट के लिए कोलेस्ट्रॉल लेवल और रक्तचाप का अच्छा होना जरूरी है। अगर इनमें कमी आ जाए तो दिल की बीमारियों को खतरा बना रहता है। एक अध्ययन में पता चला है कि बैंगन सूजन को कम करता हैं और वेंट्रिकुलर फंक्शन में सुधार करते हैं। इसके अलावा, बैंगन एलडीएल 'खराब' कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता हैं, जिससे हार्ट हैल्दी रहता है।

हड्डियों को बनाएं मजबूत - बैंगन का एक कप आपकी रोजाना मैंगनीज आवश्यकता का 5% पूरा करता है। हड्डियों के लिए यह काफी फायदेमंद है। आपको ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा है तो आपको इसे अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। बैंगन फाइटोन्यूट्रिएंट्स, आयरन, कैल्शियम, मैंगनीज और विटामिन के से भरपूर हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने के काम करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद - बैंगन में कई तरह के पोषक तत्व होते है जो त्वचा को खूबसूरत बनाने में मदद करते है। साथ ही एंटी-एजिंग की तरह काम करता है। इसके सेवन से खून साफ होता है और चेहरे में एक अलग सी चमक और त्वचा में जान आती है।

बालों को बनाए मजबूत - बैंगन में प्रचुर मात्रा में पानी होता है, जो स्कैल्प को पोषित करता है और जड़ों को मजबूत बनाता है। इसके लिए आप बैंगन को पतला काट लें और इसे बालों में 10 से 15 मिनट तक घिसे। इसके बाद गुनगुने पानी और शैंपू से बाल धोएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सनी देओल को लेकर गदर 2 शुरू करेंगे अनिल शर्मा!

सनी देओल के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'गदर : एक प्रेम कथा' वर्ष 2001 में रिलीज हुई थी जिसे अनिल शर्मा ने निर्देशित किया था। अनिल और देओल परिवार के आपसी रिश्ते बहुत मजबूत हैं। धर्मेन्द्र को लेकर हुकूमत, ऐलान-ए-जंग, फरिश्ते जैसी फिल्म अनिल बना चुके हैं। वहीं देओल फैमिली को लेकर 'अपने' भी डायरेक्ट कर चुके हैं और अब इसका सीक्वल भी शुरू करने जा रहे हैं। इसी बीच खबर आई है कि गदर का भी सीक्वल बनाने की प्लानिंग हो रही है। गदर बीस साल पहले रिलीज होकर बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। टिकट बिकने की बात करे तो पिछले 20 सालों में किसी भी फिल्म के इतने टिकट नहीं बिके हैं जितने गदर के बिके थे। पीके, बाहुबली जैसी फिल्में भी इससे पीछे खड़ी नजर आती हैं। गदर 2 में सनी देओल तो होंगे ही, साथ में अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा भी होंगे जो गदर में सनी देओल के बेटे के रूप में नजर आए थे। उत्कर्ष ने बतौर हीरो बॉलीवुड में 'जीनियस' फिल्म से शुरूआत की थी और यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही थी। अनिल अपने बेटे को एक और मौका देना चाहते हैं और गदर 2 से बढ़िया और क्या हो सकता है।

छलका दीया मिर्जा का दर्द

दीया मिर्जा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री अक्सर फैंस के लिए नई-नई पोस्ट शेयर करती हैं, ऐसे में हाल ही में दीया मिर्जा मां बनने के बाद बेटे को घर पर छोड़कर काम पर जाने के एक्सपीरियंस को भी फैंस के साथ साझा किया है। इस बीच दीया ने बताया कि ऐसा करना उनके लिए बहुत कठिन था। लेकिन फिर भी उन्होंने अपने बेटे के लिए ऐसा किया। दीया मिर्जा ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वो पीले रंग का कुर्ता पहने नजर आ रही हैं। इस फोटो के कैप्शन में वो लिखती हैं, 'फाइनली पिछली शाम को एक बहुत की स्पेशल इवेंट का हिस्सा बनने के लिए बाहर गई थी। इस समय मैं इस अमेजिंग टीम का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं जिन्होंने मुझे इतना अच्छा फील करवाया हालांकि ये मेरे लिए बहुत बहुत बहुत ज्यादा मुश्किल था 4 घंटे के लिए अपने अव्यान से दूर जाना। मम्मी काम करेंगी अवि, क्योंकि मम्मा इस दुनिया को एक बेहतर जगह बनाना चाहती हैं आपके लिए जिसमें आप बड़े होगे मेरी जान।

...भेदभाव पर कीर्ति कुल्हारी ने रखी अपनी राय

इन दिनों बॉलीवुड में एक विवाद चल रहा है जिसमे अब तक एक्ट्रेसेस जुड़ चुकी है। ये विवाद जुड़ा है फीमेल एक्टर्स को मेल एक्टर्स के मुकाबले कम फीस देने को लेकर। अब तक यही देखा गया है कि हमेशा मेल एक्टर को ज्यादा फीस दी जाती है लेकिन बॉलीवुड एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हरी की राय इससे अलग हैं। कीर्ति ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें ज्यादाकर प्रोजेक्ट्स में मेल एक्टर्स के मुकाबले ज्यादा भुगतान किया गया है। कीर्ति ने कहा, मेरी राय में मुझे पक्का लगता है कि जिन प्रोजक्ट का मैं हिस्सा हूं और जिन प्रोजेक्ट में मैं लीड कर रही हूं उसमें मुझे मेल एक्टर्स से ज्यादा फीस दी जा रही हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि, मैं इस बारे में नंबर तो नहीं बता सकती लेकिन मैं नॉर्मली ऐसा मानती हूं कि जिसमें मैं लीड कर रही हूं उसमें मुझे ज्यादा फीस दी गई। वहीं कीर्ति के जवाब पर एक्टर जयदीप अहलावत ने मजाक में कहा कि कीर्ति को अपने प्रोजेक्ट के लिए मिलने वाली फीस के बारे में खुलासा करना चाहिए। जिस पर सयानी गुप्ता भी तालियां बजाने लगीं। सयानी गुप्ता कीर्ति कुल्हारीके साथ फोर मोर शॉट्स प्लीज में दिखाई दे चुकी हैं। वहीं इस बारे में बात करते हुए सयानी गुप्ता ने अलग ही बात कही। उन्होने कहा कि एक कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें कहा था कि 'मेल एक्टर्स को महिलाओं से ज्यादा फीस देना नॉर्मल बात है।